Rajasthan Patrika

EDII

04 December, 2021
Page No.02

व्हीलचेयर पर होते हुए भी नहीं हारी हिम्मत

दिव्यांग हर्षिदाबेन सेनेटरी पैड का व्यापार कर दे रहीं प्रेरणा

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर ईडीआईआई में दिव्यांग महिला उद्यमी का अवार्ड

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अहमदाबाद. कहते हैं खुद में हिम्मत हो तो ऊपरवाला भी मदद करता है। इस कहावत को अहमदाबाद के निर्णयनगर इलाके में रहने वालीं हर्षिदाबेन प्रजापति चरितार्थ कर रही हैं। खुद व्हील चेयर पर हैं, लेकिन फिर भी हिम्मत नहीं हारी। नौकरी छोड़ सेनेटरी पैड का व्यापार शुरू किया। आज एक दिव्यांग महिला उद्यमी के रूप में वे अन्य दिव्यांग महिलाओं के लिए प्रेरणा का काम कर रही हैं।

उनकी इस हिम्मत और उद्यम के लिए हर्षिदाबेन को शुक्रवार को भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) की ओर से अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर दिव्यांग महिला उद्यमी अवार्ड प्रदान किया गया।

गुजरात के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री प्रदीप परमार ने गुजरात सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, ईडीआईआई और गुजरात राज्य दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम की ओर से स्थापित दिव्यांगजन सशक्तीकरण केन्द्र (सीईडीए) की ओर से आयोजित कार्यक्रम में यह अवार्ड प्रदान किया। इस मौके पर ईडीआईआई के महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ला, ईडीआईआई सीईडीए के प्रभारी डॉ. अमित कुमार द्विवेदी, दलित चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के संस्थापक डॉ. मिलिंद कांबले उपस्थित रहे।

दिव्यांग महिलाओं को रोजगार देने की चाहत

हर्षिदाबेन बताती हैं कि वे कुछ नया करना चाहती थीं। जिससे उन्होंने ज्वैलरी, खानपान से जुड़े उत्पाद से अलग महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए सबसे अहम सेनेटरी पेड का व्यापार करने का निर्णय किया। दिव्यांग पति का साथ मिला। उन्होंने अपनी बचत के ढाई लाख रुपए से पांच साल पहले व्यापार शुरू किया। नामी ब्रांड के बीच उन्होंने दिव्यांग होने के चलते दिवा केर प्रोडक्ट कंपनी बनाई और अपने प्रोडक्ट को दिवा नाम दिया। आज उनके साथ छह महिलाएं जुड़ी हैं। वे बाजार में उलब्ध नामी ब्रांडों के बीच अपनी ब्रांड को प्रस्थापित करते हुए ज्यादा से ज्यादा दिव्यांग महिलाओं को रोजगार देना चाहती हैं। खुद का बड़ा कारखाना लगाने की तमन्ना है। अभी मुख्यरूप से मेडिकल स्टोर पर अपना प्रोडक्ट उपलब्ध कराती हैं।

कक्कड़ को इनोवेशन, जगदीश को उभरते उद्यमी का अवार्ड

साइका मोबिलिटी हब के संस्थापक दिव्यांग समीप कक्कड़ को दिव्यांगजन आसानी से हर वाहन चला सकें उसके लिए किए जा रहे इनोवेशन के लिए और हिम्मतनगर के दिव्यांग गृह उद्योग के संस्थापक जगदीश पटेल को उभरते दिव्यांग उद्यमी का अवार्ड प्रदान किया गया।